



अधिकतम :33° C
न्यूनतम : 25° C

खबरें छुपाता नही, छापता है

शाह टाइम्स

मुजफ्फरनगर, संगलवार 16 सितम्बर 2025 उत्तर प्रदेश संस्करण: वर्ष 26 अंक 245 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

shahtimes2015@gmail.com

आश्विन कृष्ण पक्ष 10 विक्रमी सम्वत् 2082

23 रबी उल अब्दल 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



पांच साल वाला निरम सिर्फ मुस्लिमों के लिए क्यों: ओवैसी

पेज 2



मोहम्मद सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने खेल टाइम्स



नेपाल: सुशीला कार्की के समक्ष चुनौतियों का पहाड़ सम्पादकीय



इजरायल के खिलाफ कतर में जुटे 50 मुस्लिम देश

पेज 12

एक करोड़ के इनामी नक्सली सहदेव सहित 3 नक्सली ढेर हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग में सुरक्षा बलों के साथ हुई एक मुठभेड़ में एक करोड़ रुपये का इनामी माओवादी सहदेव सोरेन और उसके दो साथी मारे गए हैं। यह मुठभेड़ सोमवार सुबह हजारीबाग के पनतीतरी जंगल में हुई, जो बोकारो और गिरिडीह जिलों की सीमा पर स्थित है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सहदेव सोरेन किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इसी सूचना के आधार पर कोबरा बटालियन, गिरिडीह और हजारीबाग पुलिस की एक संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान माओवादियों के दस्ते से उनकी मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद चलाए गए तलाशी अभियान में तीन शव बरामद हुए, जिनकी पहचान एक करोड़ के इनामी सहदेव सोरेन, 25 लाख के इनामी रघुनाथ हेम्ब्रम और 10 लाख के इनामी विरसेन गंडू के रूप में हुई है। इनके पास से तीन एके-47 राइफल भी बरामद हुई हैं।

वित्त मंत्रालय कर्मी की मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज महिला गिरफ्तार
नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रिंग रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे में वित्त मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारी नवजोत सिंह की मौत हो गई जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। श्री सिंह वित्त मंत्रालय के उपसचिव के पद पर तैनात थे। दिल्ली कैंट क्षेत्र में रिंग रोड पर हुए दर्दनाक बीएमडब्ल्यू हादसे ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या यदि हादसे के बाद नवजोत सिंह को तुरंत नजदीकी बड़े अस्पताल पहुंचाया जाता, तो उनकी जान बचाई जा सकती थी? पत्नी संदीप कोर का कहना है कि हादसे के बाद उनके पति की सांसें चल रही थीं, लेकिन आरोपी महिला चालक उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाने के बजाय 19 किलोमीटर दूर एक छोटे अस्पताल ले गई, जहां डाक्टरों ने नवजोत को मृत घोषित कर दिया।

अगस्त में थोक मुद्रास्फीति दर 0.52 प्रतिशत रही
नई दिल्ली। खाने-पीने के सामानों, खासकर विनिर्मित खाद्य उत्पादों, के दाम बढ़ने से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की सालाना दर इस साल अगस्त में बढ़कर 0.52 प्रतिशत दर्ज की गई, जो इस साल अप्रैल के बाद का उच्चतम स्तर है। लगातार दो महीने शुन्य से नीचे रहने के बाद थोक महंगाई बढ़ी है। इससे पहले, जुलाई में यह शुन्य से 0.58 प्रतिशत और जून में 0.13 प्रतिशत नीचे दर्ज की गई थी। खाद्य पदार्थों की थोक मुद्रास्फीति दर भी 0.21 प्रतिशत रही जो जुलाई में शुन्य से 2.15 प्रतिशत नीचे थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अगस्त में प्राथमिक उत्पादों की मुद्रास्फीति दर शुन्य से 2.10 फीसदी नीचे रही। ईंधन एवं बिजली वर्ग में मुद्रास्फीति दर 3.17 प्रतिशत और विनिर्मित वस्तुओं के वर्ग में 2.55 प्रतिशत रही।

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं, तीन बदलावों पर स्टे वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की संख्या तय: केंद्रीय बोर्ड में 4, राज्य में 3 होंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर पूरी तरह से रोक लगाने से सोमवार को इन्कार कर दिया, लेकिन कहा अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति जॉर्ज मसोह की पीठ ने संबंधित कानून के संशोधन की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि अदालतों को संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को वैधता माननी चाहिए और केवल दुर्लभतम मामलों में ही स्थान देना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि हमने प्रत्येक धारा को दो गई चुनौती पर प्रथम दृष्टया विचार किया है। हमने पाया है कि कानून के संपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगाने का कोई मामला नहीं बनता। हालांकि, कुछ धाराओं को कुछ संरक्षण की आवश्यकता है। पीठ ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का

शीर्ष अदालत ने कहा: अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रहेगी रोक

वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का मुस्लिम बोर्ड ने किया स्वागत



लखनऊ। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारी समिति के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुस्लिम पक्ष की कुछ दलीलों को स्वीकार करने के अंतरिम आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि

इस मामले पर पूरा फैसला आने पर मुसलमानों को पूर्ण राहत हासिल होगी। मौलाना ने कहा कि आज के जजमेंट में उच्चतम न्यायालय ने हमारी कुछ दलीलें स्वीकार कर उन प्रावधानों पर रोक लगाई है। हमें उम्मीद थी कि पूरे एक्ट पर स्टे दिया जाएगा। न्यायनिर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती और यह शक्तियाँ के पृथक्करण का उल्लंघन होगा। शीर्ष अदालत ने अपने 128 पन्नों के फैसले में गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति के संबंध में कहा कि यद्यपि यह

लोकतंत्र के हित में है वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उच्चतम न्यायालय के वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि शीर्ष अदालत का निर्णय लोकतंत्र के हित में है। श्री रिजिजू ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर सोमवार को कहा कि यह देश के लिए बहुत अच्छा निर्णय है। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है। कुछ लोग बिना वजह के संसद के निर्णय को चुनौती देते हैं। उन्होंने कहा कि संसद के अधिकार को चुनौती नहीं दी जा सकती है। संसद में बने कानून के प्रावधान को लेकर चुनौती दी जा सकती है। सरकार ने शीर्ष अदालत में अधिनियम की मंशा और प्रावधान के बारे में बताया है। शीर्ष अदालत का फैसला लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है।



बात एक गैर-मुस्लिम को मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देने वाले संशोधन पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए कही। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों के क्रियान्वयन पर रोक लगाते हुए वक्फ के लिए संपत्ति दान करने के लिए पांच साल तक इस्लाम का पालन करने के मानदंड को कार्यान्वयन पर भी रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि जब तक नियम नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

अमृतसर व गुरदासपुर में बाढ़ पीड़ितों से मिले राहुल



चंडीगढ़। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पंजाब दौरे पर पहुंचे। राहुल गांधी अमृतसर के श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे। वहां से अजनाला, रामदास के गांव में जाकर लोगों से मिले। राहुल गांधी रामदास स्थित गुरुद्वारा श्री समाधि बाबा बुड्डा जी साहिब में भी

भारत की बेरोजगारी दर में आई गिरावट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में भारत की समग्र बेरोजगारी दर गिरकर 5.1 प्रतिशत हो गई। यह दर लगातार दूसरे महीने घटी है, जून में 5.6 प्रतिशत से घटकर जुलाई में 5.2 प्रतिशत तथा अब अगस्त में 5.1 प्रतिशत हो गई है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आर्थिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) में यह बात कही गई है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों में बेरोजगारी दर अगस्त में

अगस्त में लगातार दूसरे महीने घटकर 5.1 फीसदी पर रही

घटकर 5.0 फीसदी हो गई, जो अप्रैल 2025 के बाद से सबसे कम है। शहरी पुरुष बेरोजगारी जुलाई में 6.6 फीसदी से घटकर अगस्त में 5.9 फीसदी हो गई, जबकि ग्रामीण पुरुष बेरोजगारी घटकर 4.5 फीसदी हो गई। ग्रामीण बेरोजगारी दर लगातार तीन महीनों तक गिरती रही, मई में 5.1 फीसदी से अगस्त में 4.3 फीसदी तक। ग्रामीण और शहरी बेरोजगारी दर मिलाकर 5.1 फीसदी रही।

घुसपैट खत्म करने की मोदी की गारंटी

पटना, वार्ता

बिहार में चुनाव की अधिसूचना अगले माह के पहले हफ्ते में जारी होने के आसार हैं। चुनाव को लेकर घमासान जारी है। विपक्ष मतदाता सूची प्रारूप को लेकर चुनाव आयोग और मोदी सरकार पर लगातार हमलावर है। इन सबके बीच पीएम मोदी ने उस क्षेत्र से बड़ा ऐलान किया है, जहां सबसे अधिक घुसपैट होने के आरोप लगते हैं। पीएम मोदी ने पूर्णिया के शीशाबाड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हर हालत में घुसपैटियों पर कार्रवाई होगी। अब इस देश में उनकी मनमानी नहीं चलेगी। यह मोदी की गारंटी है कि हर हाल में घुसपैटियों पर कार्रवाई

बिहार के सीमांचल में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने दिया देश को संदेश



होगी। आज सीमांचल और पूर्वी भारत में घुसपैटियों के कारण डेमोग्राफी का कितना बड़ा संकेत बिहार और देश के संसाधन और असम के लोग अपनी बहन बेटियों के लिए चिंतित हैं। इसलिए मैंने लालकिले से डेमोग्राफी मिशन की घोषणा की है। लेकिन, कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैटियों की वकालत कर रहे हैं। उन्हें बचाने में लगे हैं। बेशर्मी के साथ विदेश से

आने वाले घुसपैटियों को बचाने के लिए यह लोग नारे लगा रहे हैं। यात्राएं निकाल रहे हैं। यह लोग बिहार और देश के संसाधन और सुरक्षा दोनों को दांव पर लगाना चाहते हैं। आज पूर्णिया की इस घरती से मैं इन लोगों को एक बात अच्छी तरह समझाना चाहता हूँ। यह राजद और कांग्रेस की जमात काम खोलकर पूरी बात सुन लो, जो भी घुसपैटिया है, उसे बाहर जाना ही होगा।

हर थाने में सीसीटीवी कैमरे जरूरी: शीर्ष अदालत अंबानी के वंतारा को क्लीनचिट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे की कमी से जुड़े मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि थानों में सीसीटीवी न होने से निगरानी में मुश्किल हो रही है। कोर्ट ने राजस्थान से जुड़ी एक रिपोर्ट पर एक्शन लेते हुए सुनवाई की। इस मामले में फंसला 26 सितम्बर को आएगा। बेंच अपने आदेश में पुलिस स्टेशन और जांच एजेंसियों के दफ्तरों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने को लेकर राज्यों और केंद्र सरकार को भी निर्देश दे सकती है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह मुद्दा

निगरानी का है। कल को अधिकारी थाने में कैमरे बंद कर सकते हैं, लेकिन हम ऐसा कंट्रोल रूम चाहते हैं, जिसमें इसानी दखल कम से कम हो। जस्टिस संदीप मेहता ने कहा कि पुलिस थानों की भी प्राइवेट एजेंसी से जांच करवानी चाहिए। हम आईआईटी को शामिल कर ऐसा सिस्टम बनाने पर विचार कर सकते हैं। हमें ऐसा सॉफ्टवेयर दें, जिससे हर सीसीटीवी फीड को निगरानी की जा सके। यह निगरानी भी मानवीय न होकर, पूरी तरह से एआई बेस्ड हो।

कहा: पुलिस थानों में सीसीटीवी न होने से निगरानी में हो रही मुश्किल, 26 को आएगा फैसला



अंबानी के वंतारा को क्लीनचिट

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त विशेष जांच दल ने रिलायंस फाउंडेशन के वन्यजीव बचाव, पुनर्वास और संरक्षण केंद्र 'वंतारा' को क्लीन चिट दी है। न्यायमूर्ति पंकज मिश्रल और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने शीर्ष अदालत की ओर से गठित जांच दल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए मौखिक रूप से कहा कि पशुओं को गोद लेकर उसकी देखभाल करने के मामले में नियमों की अनदेखी करने समेत अन्य आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई नहीं दिखती। पीठ ने आगे

कहा: जानवरों की खरीद-बिक्री कानूनी, जैन मठ से हथिनी की शिफ्टिंग पर विवाद

कहा कि न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच दल को कोई गड़बड़ी नहीं मिली। अदालत ने कहा कि पशुओं को गोद लेना नियामक तंत्र के अंतर्गत आता है। अदालत ने कहा कि न्यायालय इस रिपोर्ट को अपने आदेश का हिस्सा बनाएगा। वंतारा रिलायंस फाउंडेशन के तहत अर्नत अंबानी द्वारा जामनगर में विकसित 3,000 एकड़ का एक विशाल संरक्षण केंद्र है।

मुंबई में भारी बारिश, ट्रैक डूबने से लोकल ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने मुंबई में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। सोमवार को सुबह से लगातार बारिश के कारण मुंबई में कई जगह जलभराव और ट्रैफिक जाम हो गया। अंधेरी सबसे में डेढ़ फीट तक पानी भर जाने से पुलिस ने इसे बंद कर दिया। दादर, कुर्ला और बांद्रा स्टेशनों पर पानी भरने से लोकल ट्रेनें 10-15 मिनट देरी से चल रही हैं। हैदराबाद में भी तेज बारिश जारी है। हबीब नगर इलाके में रविवार रात भारी बारिश के बाद दो लोग बाढ़ में बह गए। तीन डिजाल्पर रिस्पांस फोर्स टीमों उनकी तलाश में जुटी हैं, लेकिन इलाके में पानी का बहाव अभी भी तेज है। रविवार को तय

हैदराबाद में बाढ़ के हालात, दो लोग बहे

समय से 3 दिन पहले पश्चिमी राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। राजस्थान के श्रीगंगानगर, नागौर, जोधपुर और बीकानेर से मानसून विदा ले चुका है। अगले दो-तीन दिन में पंजाब और गुजरात के कुछ हिस्सों से भी मानसून लौटना शुरू हो जाएगा। जबकि मध्य प्रदेश में मानसून दो हफ्ते और रहेगा। देश के अधिकांश हिस्सों से 15 अक्टूबर तक मानसून बह गए। तीन डिजाल्पर रिस्पांस फोर्स टीमों उनकी तलाश में जुटी हैं, लेकिन इलाके में पानी का बहाव अभी भी तेज है। रविवार को तय

संक्षिप्त खेल समाचार

जिम्बाब्वे ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में नामीबिया को हराया
बुलावायो, वाता। ब्रायन बेनेट (94) और तद्विवानशे मारुमनी (62) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत जिम्बाब्वे ने सोमवार को पहले टी-20 मुकाबले में नामीबिया को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 34 रनों से हरा दिया। इसी के साथ जिम्बाब्वे ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में मालन क्रूगर (13) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद जान फाइलिनक, जान निकोल लांप्टी-ईटन की जोड़ी ने दूसरे विकेट लिये 56 रन जोड़े। आठवें ओवर में सिकंदर रजा ने जान फाइलिनक (21) को पगबाधा आउट कर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई।

सांसद खेल स्पर्धा युवाओं को देगी प्रतिभा दिखाने का अवसर : पंकज महराजगंज, वाता।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि 14 अक्टूबर से शुरू होने वाले सांसद खेल स्पर्धा युवाओं को प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगी। श्री चौधरी ने यहां अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में आयोजन की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य का मूल आधार हैं। सांसद खेल स्पर्धा युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि इस वर्ष सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन 14 अक्टूबर से 25 दिसम्बर के बीच किया जाएगा।

हैंडशेक कंट्रोवर्सी ने बिगाड़ा खेल

- एशिया कप से हट सकता है पाक
- पीसीबी मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट को हटाने पर अड़ा
- राशिद लतीफ ने कहा, जंग लड़ लो

दुबई, वाता। भारत से मिली हार के बाद पाकिस्तान यूएई में चल रहे एशिया कप से हट सकता है। रविवार को दुबई में हुए मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया था।

टॉस के वक्त भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। पाकिस्तान ने इसकी शिकायत मैच रेफरी एंडी पायक्राफ्ट से की। आरोप लगाया कि भारतीय टीम ने खेल भावना नहीं दिखलाई। पीसीबी का मानना है कि पायक्राफ्ट का व्यवहार पक्षपाती रहा है और उन्हें टूर्नामेंट से हटाया जाए। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा नहीं होने पर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हट सकता है। एशियन क्रिकेट काउंसिल



(एसीसी) या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेंयरमैन ने सोमवार को कहा कि पीसीबी ने तत्काल पायक्राफ्ट को बाहर करने की मांग की है। उन्होंने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट और क्रिकेट के स्पिरिट का पालन नहीं किया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर भी विवाद में कूड़े हैं हैंडशेक कंट्रोवर्सी में पाकिस्तान

कहा कि क्रिकेट को क्रिकेट ही रहने दें, इसमें सियासत न करें। दावा मैच रेफरी ने हैंडशेक से रोका पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का दावा है कि टॉस के वक्त मैच रेफरी ने दोनों टीमों को हाथ मिलाने की हिदायत दी है। पीसीबी का मानना है कि मैच रेफरी ने ऐसा भारतीय टीम के दबाव में किया है। रेफरी की यह हरकत आपत्तिजनक और उन्हें टूर्नामेंट से हटाया जाना चाहिए। सूर्या ने कहा था कि कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं मैच के बाद हैंडशेक कंट्रोवर्सी पर भारतीय कप्तान ने कहा कि कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला बीसीसीआई और भारत सरकार की सहमति से लिया था। भारतीय टीम पहलगाम हमले के पीड़ितों के साथ खड़ी है और यह जीत भारतीय सैन्य बल को समर्पित है। बीते 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पाक समर्थक आतंकियों ने 26 निर्दोषों की धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर पाक में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया था।

कप्तान सूर्य कुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित की

- सिक्स के साथ जिताया मैच
- दुबई स्टेडियम में गुंजे भारत
- माता की जय के नारे

दुबई, वाता। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित कर दी। सूर्या और टीम इंडिया का मैसेज साफ था कि यह जीत देश के जवानों को सम्मान देने के लिए है। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए आपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम में आमने-सामने थी। खास बात यह रही कि मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने

पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टास के वक्त भी सूर्या ने चक्र कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में टॉस के वक्त और मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ-मिलाना कर्टसी माना जाता है। मतलब एक-दूसरे के लिए सम्मानजनक व्यवहार। भारतीय टीम ने संदेश दे दिया कि एशिया कप में खेलना इस टूर्नामेंट के लिए उसका कमिटमेंट है, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कर्टसी निभाने का उनका कोई इरादा नहीं है। भारत ने खेल में भी कोई कर्टसी नहीं दिखाई और एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया।

CMYK

सिराज आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में 23 विकेट झटक के थे, नैट हेनरी और जायडन सील्स को पीछे छोड़ा

दुबई, वाता। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आईसीसी ने अगस्त महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। उन्होंने इस रस में न्यूजीलैंड के मेट हेनरी और वेस्टइंडीज के जायडन सील्स को पीछे छोड़ा। सिराज को यह अवार्ड इंग्लैंड के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के ओवल टेस्ट में दमदार प्रदर्शन के लिए मिला है। उन्होंने आखिरी पारी में 5 विकेट लेकर भारत को 6 रन की रोमांचक जीत दिलाई थी। इसी जीत के सहारे भारत 2-1 से पिछड़ने के बावजूद सीरीज ड्रा कराने में कामयाब रहा। 5 मैचों की इस सीरीज में 23 विकेट लिए 5 मैचों की इस सीरीज में भारत और इंग्लैंड के कई खिलाड़ी चोटिल रहे, लेकिन सिराज ने लगातार 5 टेस्ट में खेले। इतना ही नहीं, 23 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज बने। उन्होंने 185.3 ओवर डाले। ओवल टेस्ट में 9 विकेट झटक के थे सिराज ने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत

ने ओवल टेस्ट जीता और सीरीज 2-2 से बराबर की। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मेट हेनरी ने जिम्बाब्वे को खिलाफ 2-0 टेस्ट सीरीज जीत में 16 विकेट झटके। उन्होंने पहले टेस्ट में 6/39 और 3/51 तथा दूसरे में 5/40 और 2/16 के आंकड़े दर्ज किए। वेस्टइंडीज के जायडन सील्स ने पाकिस्तान के खिलाफ 34 साल बाद वनडे सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 3 मैचों में 10 विकेट झटके। आखिरी मैच में उन्होंने करियर बेस्ट 6/18 परफार्म किया। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड एक पुरस्कार है, जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) हर महीने प्रदान करता है। यह अवार्ड मंस और विमंस कैटेगरी में दिया जाता है। यह पुरस्कार हर महीने के प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है। महीने भर के प्रदर्शन के आधार पर हर कैटेगरी के 3 प्लेयर्स को नामिनेट किया जाता है। इनका चुनाव स्वतंत्र आईसीसी वोटिंग अकादमी करती है।



कुलदीप, अक्षर व वरुण ने मेहनत की और अच्छा प्रदर्शन किया: सूर्या

न्यू चंडीगढ़, वाता। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ स्पिन विकेटी कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने अच्छा प्रदर्शन किया। रविवार रात पाकिस्तान को सात विकेट से हराने के बाद संवाददाता सम्मेलन में सूर्यकुमार यादव से जब पूछा गया कि क्या भारत की स्पिन विकेटी कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने उम्मीद जमा देने का सही उपहार दिया है, तो उन्होंने मजाक में कहा, मैं उन सभी को मिलाकर 12 ओवर दिए, यह मेरी ओर से रिटर्न गिफ्ट था। वे सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आप इसे अभ्यास में देख सकते हैं। वे वास्तव में अच्छी तैयारी करना चाहते हैं। एक बार जब आप मैदान पर आते हैं, तो आप देख सकते हैं कि वे कितनी अच्छी तरह तैयार हैं। और वे अपनी योजनाओं को लेकर बहुत स्पष्ट हैं, यही मैं चाहता हूँ जब मैं मैदान पर होता हूँ तो इससे मेरा

● एक बार जब आप मैदान पर आते हैं तो देख सकते हैं कि वे कितनी अच्छी तरह से तैयारी के साथ आए हैं
काम बहुत आसान हो जाता है। वे क्षेत्ररक्षण से खुश हैं और जिस छोर से वे गेंदबाजी कर रहे हैं उससे भी खुश हैं। तीनों स्पिनरों को अच्छा प्रदर्शन करते देखना अच्छा है, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह उनका अच्छा साथ दे रहे हैं। सूर्यकुमार ने कहा कि स्पिन गेंदबाजी कैसे करनी है और कैसे निशाना बनाना है, इस बारे में भारत की योजना अक्सर विरोधी टीम को ध्यान में रखकर बनाई जाती थी। उदाहरण के लिए, रविवार को, फखर जमान जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाज के क्रीज पर होने के बावजूद अक्षर को गेंदबाजी कराने का फैसला एक योजना का हिस्सा था, भले ही यह उनके 'पारंपरिक मैचअप' के विपरीत था। भारत के गेंदबाजी प्रदर्शन का दूसरा पहलू बुमराह का इस्तेमाल करने का तरीका था।

जब उन्होंने यूएई के खिलाफ तीन ओवर पहले गेंदबाजी की, तो माना जा रहा था कि यह कदम बड़ी चुनौतियों से पहले स्वयं को थोड़ा और मजबूत बनाने के लिए उठाया गया होगा। लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ भी बुमराह का इस्तेमाल इसी तरह किया गया। सूर्यकुमार ने इसे भारत की योजना का हिस्सा बताते हुए कहा कि वे अपने सभी गेंदबाजों को जिम्मेदारी लेने पर मजबूर करना चाहते हैं। भारतीय कप्तान ने कहा कि आज तक हमने उनसे पावरप्ले में दो ओवर ही कराए हैं, उन्होंने कभी पावरप्ले में तीन ओवर नहीं डाले। उन्होंने आगे कहा कि हम उन्हें एक आक्रामक विकल्प के रूप में इस्तेमाल करके बहुत खुश हैं। अगर वह दो विकेट ले लेते हैं, भले ही वह अपने ओवरों का एक सीमित स्पेल ही क्यों न फेंके, तो बाद में हमें सभी स्पिनरों के लिए एक अच्छा सहारा मिल जाएगा और हमारा काम थोड़ा आसान हो जाएगा।

दस देश हॉकी प्रो लीग सीजन सात की मेजबानी करेंगे

- अर्जेंटीना में पुरुष चैंपियन
- नीदरलैंड का सामना लीग में पदार्पण कर रहे पाकिस्तान से होगा

लॉजेन, स्विट्जरलैंड, वाता। भारत सहित 10 देश नो दिसंबर से 2025 से आयरलैंड और अर्जेंटीना में शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन सात की मेजबानी करेंगे। जर्मनी बनाम बेल्जियम पुरुष टीम के बीच आयरलैंड में इस सीजन की शुरुआत होगी। इसी दिन अर्जेंटीना में पुरुष चैंपियन नीदरलैंड्स का सामना लीग में पदार्पण कर रहे पाकिस्तान से होगा।

बेल्जियम, इंग्लैंड और जर्मनी की पुरुष टीमों, साथ ही बेल्जियम, इंग्लैंड और नीदरलैंड की महिला टीमों आयरलैंड में अपने पहले मैच खेलेंगी। अर्जेंटीना में क्रमशः नीदरलैंड और पाकिस्तान की पुरुष टीमों, और जर्मनी और नीदरलैंड की महिलाओं से भिड़ेंगी। लीग का समापन 28 जून 2026 को बेल्जियम, जर्मनी और इंग्लैंड के बीच रोमांचक मुकाबलों के साथ होगा। भारत में मुकाबले की शुरुआत 10 फरवरी 2026 से होगी। इस



सीजन में आयरलैंड की महिला और पाकिस्तान की पुरुष टीमों पहली बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। दोनों को एफआईएच हॉकी नेशंस कप 2024-25 के जरिए पदोन्नत किया गया है। गत विजेता नीदरलैंड की पुरुष और महिला टीमों अपने खिताब का बचाव करने मैदान में उतरेगी। 2025-26 सीजन के दौरान 10 देश एफआईएच हॉकी प्रो लीग के मैचों की मेजबानी करेंगे।
आयरलैंड (9-14 दिसंबर 2025) - आयरलैंड, बेल्जियम, इंग्लैंड (महिला) और बेल्जियम, इंग्लैंड, जर्मनी (पुरुष)
अर्जेंटीना (9-14 दिसंबर 2025) - अर्जेंटीना, जर्मनी, नीदरलैंड (महिला) और अर्जेंटीना, नीदरलैंड, पाकिस्तान (पुरुष)
चीन (5-10 फरवरी 2026) - चीन, इंग्लैंड, नीदरलैंड (महिला)
स्पेन (5-10 फरवरी 2026) - स्पेन, बेल्जियम, जर्मनी (महिला) और स्पेन, इंग्लैंड, नीदरलैंड (पुरुष)
ऑस्ट्रेलिया (10-15 फरवरी 2026) - ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, आयरलैंड (महिला) और ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, पाकिस्तान (पुरुष)
भारत (10-15 फरवरी

एशिया कप में अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने उतरेगा

अब् धाबी, वाता। एशिया कप में बांग्लादेश की टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए मंगलवार को होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को हर-हाल में जीतना होगा। वहीं अफगानिस्तान सुपर चार में जगह पक्की करने मैदान में उतरेगा। बांग्लादेश के खिलाफ अफगानिस्तान को पलड़ा भारी रहा है। अब तक दोनों टीमों के बीच 12 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान पांच में बांग्लादेश को जीत मिली है। सात मुकाबले अफगानिस्तान ने जीत हैं। दोनों टीमों के बीच खेले गए आखिरी पांच मैचों की बात की जाये तो

अफगानिस्तान ने तीन मैच जीते हैं और बांग्लादेश को दो में सफलता मिली है। बांग्लादेश को एशिया कप के अपने पिछले मैच में श्रीलंका को खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। उसे हार की निराशा से बाहर निकलकर जायेद क्रिकेट स्टेडियम में कल अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में जीत के लिए पूरी ताकत झोकनी होगी। बल्लेबाजी की बात की जाये तो टूर्नामेंट में बांग्लादेश का शीर्ष क्रम बिल्कूल भी नहीं चल पा रहा है। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने मिलकर दो मैचों में केवल 33 रन जोड़े हैं। कप्तान लिटन दास एक बेहतरीन खिलाड़ी है।

CMYK

जन्म मृत्यु ईश्वर के हाथ: चौ.नीरपाल

राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ अरविन्द सिंह
अजय प्रमुख, वरिष्ठ नेता चौ राम
मेहर सिंह, अभिनव निर्वाल, संजय
राठी, जिला पंचायत सदस्य दौराल
प्रताप सिंह लोहिया सहित बर्ड
संख्या में लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पि
की।

उन्होंने लोगों से कूड़ा कचरा सड़कों, नाले-नालियों एवं नदियों में न फेंककर निगम की गाड़ियों या सफाई मित्रों को ही देने का आह्वान किया।

है। वहीं मानसिक विकास भी होता है। इस अवसर पर राशिद मुखिया, चोकलीम, पप्पू, कालू, चौधरी अकरम, शहानवाज, आजम समेत कई गणपतियाँ लोग भीजद रहे। उदघाटन मैच शुरू होते ही मैदान पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और तालियों की गड़गड़ाहट संतुलियाड़ियों का उत्साह दोगुना हो गया।

सोमवार को ग्राम छाटी पहुँचकर निवासी पीडित व्यक्ति प्रवीण पुत्र सुन्दर ने थाना पर तहरीर करके बताया है कि वह ग्राम पटोड़ में मोबाराज रिपेयरिंग की दुकान चलाता है। पीडित का आरोप है कि रविचन्द्र शर्मा रात्रि के समय आरोपी शुभम पुत्र महेश पाल निवासी ग्राम काँसपुर अपने 3 साथियों सहित उसके दुकान पर आया व उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट शुरू कर दी। जिससे उसके शरीर पर कई जगह गुम चोट आई है। इतक सम्यन्ध में पीडित द्वारा आरोपियों को खिलाफ कानून कानूनी की मांग की गई थी।

शाह टाइम्स संवाददाता
बेहटा। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निशानों का पालन एम्प्लॉयडिंग मार्गदर्शक सिद्धि अपने कर्मचारियों के लिये लागू करने का कार्यालय में लोगों को जनसमस्याओं को सुनावी कर रहे हुए उनको नियमावली निस्तरण फायदे में लाने हुए है। फरियादियों के प्रति उनको व्यवहार भी सेवा भाव की तरह रहता है अपने अन्तर् में और मरुत व्यवहार को लेकर भी आने वाले फरियादी भी उनसे प्रभावित रहते हैं।

सोमवार को भी एसडीएम मानव संसाधन विभाग 10 बजे से ही अपने कार्यालय में बैठकर अपने पास आने वाले फरियादियों को बात को गंभीरता से सुनकर प्रार्थना पाठ को सुनकर करते रहे उनका हमेशा एक

संतुलित फैसला

समवार को मुख्य न्यायाधीश बीआर गवेई और न्यायमूर्ति आंगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वक्फ सशोधन अधिनियम 2025 पर अपने अंतरिम फैसले में पूरी तरह रोक लगाने से इन्कार कर दिया, लेकिन साथ ही कहा कि अंतिम निर्णय आने तक कुछ प्रावधानों पर रोक रहेगी। पीठ ने यह भी कहा कि अदालतों को संसद द्वारा बनाए गए कानून की वैधता माननी चाहिए और केवल दुर्लभतम मामलों में ही स्थगन देना चाहिए। 22ई और को अदालत ने अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं (जिनकी संख्या सी से अधिक है) के एक समूह पर अंतरिम रोक लगाने के अनुरोध पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। पीठ ने इन याचिकाओं पर गहनता से विचार किया और पाया कि कानून के संपूर्ण प्रावधानों पर रोक लगाने का औसत मामला नहीं बनता, लेकिन पीठ ने यह भी माना कि कुछ धाराओं को कुछ संरक्षण की आवश्यकता है। जैसे पीठ ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का न्याय निर्णय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ ने साफ कहा कि अगर ऐसा होता है तो शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन होगा। ठीक इसी तरह पीठ का यह भी कहना था कि केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में क्रमशः 22 और 11 सदस्यों में से तीन से अधिक गैर मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए। हालांकि ऐसा कहते हुए यह भी साफ किया कि यह न्यायालय कोई निर्देश जारी नहीं कर रहा है। फिर भी उचित यही होगा कि पीठ ने पांच साल तक इस्लाम का पालन के मानदंड के कार्यान्वयन पर भी रोक लगा दी। ऐसा करते हुए पीठ का कहना था कि जब तक नियम नहीं बन जाते तब तक वक्फ संपत्ति घोषित होने से पहले इस पर रोक रहेगी। पीठ का मानना है कि बिना किसी तंत्र के यह मनमाने शक्ति के प्रयोग को बढ़ावा देगा। अब अंतराल तबतक तो तभी साफ होगी जब पीठ का संपूर्ण फैसला आएगा, लेकिन फिलहाल आए फैसले से सभी पक्ष संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। जहां केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने उच्चतम न्यायालय के वक्फ अधिनियम 2025 पर आए निर्णय का स्वागत किया है और इस निर्णय को लोकतंत्र के हित में बताया है वहीं ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की कार्यकारी समि. के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने भी पीठ के फैसले की सराहना की है और कहा है कि वे उच्चतम न्यायालय द्वारा मुस्लिम पक्ष की दलीलों को स्वीकार करने के आदेश का स्वागत करते हैं और उम्मीद जताई कि इस मामले पर पूरा फैसला आने पर मुसलमानों को पूर्ण राहत हासिल होगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमें उम्मीद थी कि पूरे एकट पर स्टे लिया जाएगा, लेकिन कुछ अहम बातों पर स्टे लिया गया, जिसका वह स्वागत करते हैं। उनके अनुसार अभी पूरा फैसला आना बाकी है, उम्मीद करते हैं कि हम रिलीव हासिल होगी। निश्चित रूप से कोर्ट को जो अंतरिम फैसला आया है वह बेहद संतुलित है और तर्कसंगत भी है, जबकि सरकार की भाषा से लुहा है कि वह फैसले से इतनी खुश नहीं है और वह यही दुहाई दे रही है कि संसद के पास कानूनों में अदालतों को ज्यादा हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

...तो सिख कैसा महसूस करेंगे

वक्फ संशोधन अभिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश है, हम उम्मीद करते हैं कि शीघ्र कोर्ट इस पर कानून पर जल्द अंतिम फैसला सुनाए और सुनवाई शुरू हो, सीओ को नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यह व्यक्ति जहां तक संभव हो मुस्लिम होना चाहिए, अब सरकार यही कह रही कि उन्हें कोई योग्य मुस्लिम नहीं मिला, जो पाठों किसी मुसलमान को सांसद का डिकेट नहीं देती, जिसके पास एक भी मुस्लिम सांसद नहीं है, क्या वह मुसलमान अधिकारी चुनेंगे? खुफिया विभाग में कितने मुसलमान अधिकारी हैं, वे वक्फ में चर्चा मुसलमानों को नियुक्ति करेगे, यह संविधान के अनुच्छेद 26 का उल्लंघन है, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) में किसी गैर-सिख को सदस्य बना दिया जाए तो सिख कैसे सहमत करेगा।

—असदुद्दीन ओवैसी, प्रमुख, एआईएमआईएम



ने पाल के अंतरिम सरकार की नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री सुशीला कार्का ने पदभार ग्रहण करने के बाद मातहतों के साथ संक्षिप्त बातचीत में साफ कर दिया है कि वे सत्ता का स्वाद चखने नहीं आई हैं। वह महीने बाद होने वाले चुनाव के बाद वे नए प्रतिनिधि सभा को सत्ता की चाभी सौंप देंगी। हां इस दौरान उनकी पूरी कोशिश होगी कि नेपाल अब सत्ता के लिए और ईमानदार सरकार के युवाओं को। इसके साथ संघर्षशील व ईमानदार युवाओं को आगे आना होगा।

उन्होंने जो दूसरी बड़ी बात कही वह नेपाल को तहस-नहस करने वालों की शिनाख कर उन्हें सजा-दिलाने का। सुशीला कार्की के लिए यह बड़ी चुनौती है, क्योंकि आंदोलन तो जेन जी के हाथ में था और उन्होंने को सहमत से वह प्रधानमंत्री बनी हैं तो क्या जेन जी के आंदोलन में दूसरे लोग भी घुस आए और देखते देखते नेपाल को लोख में तब्दील कर दिया? ये दूसरे लोग आखिर कौन हो सकते हैं? इसे लेकर कायसबाजी का दौर जारी है। हर जुबान पर अलग-अलग चर्चाएँ हैं। अब अगर जेन जी के आंदोलन में भारी संख्या में उपद्रवी घुस आए और काठमांडू से लेकर नेपाल के मैदानी इलाकों तक आंदोलन को हिंसात्मक बना दाले तो यह मानना होगा कि वे कितने मुस्तैद थे? प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के नेतृत्व का मौजूदा प्रशासन इन उपद्रवियों की शिनाख कैसे और किस आधार पर करता है यह देखने वाली बात होगी। भारी हिंसा के बीच पदासीन हुई सुशीला कार्की के समक्ष सिर्फ यही चुनौती नहीं है, देखें तो उनके समक्ष चुनौतियाँ काँ पहाड़ें और टूटे फूटे नेपाल को नया जीवन दे पाने में कामयाब होंगी। सुशीला कार्की न्याय विद् के साथ एक राजनीतिज्ञ परिवार से जुड़े रहने के नाते वे परिचय-राजनीतिज्ञ भी हैं। इसकी झलक तब देखने को मिली जब जेन जी के तरफ से उनका नाम फाइनल होने के बाद भी वह प्रधानमंत्री बनने को लेकर हड़बड़ी में नहीं दिखीं। प्रधानमंत्री पद की शायश उन्होंने तभी ली जब राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल को संसद विघटन की उनकी मांग को मानना पड़ा। सुशीला कार्की के इस बात की सभी कायल हुए तो फिर पुराने प्रतिनिधि सभा का ही नेतृत्व करना है तो प्रष्ट्यार जिसके खिलाफ इतना बड़ा आन्दोलन हुआ, उससे पर पापा संभव नहीं है। उन्होंने दो टुक करवा कि वह एक प्रष्ट सरकार का नेतृत्व नहीं करना चाहेंगी।

सुशीला कार्की के पति दुर्गा प्रसाद सुवेदी का ताल्लुक नेपाली कांग्रेस से थे जिन्हें स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला का नजदीकी माना जाता है। दुर्गा प्रसाद सुवेदी पर 1973 में रायल नेपाल के जहाज

भविष्य में ऐसे विद्रोह की पुनरावृत्ति को रोकने और शासन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए स्वतंत्र एंटी कर्षण कमिशन बनाना जाए जो राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त हो। साथ ही करेट नेताओं पर मुकदमे चलाए जाएं। रोजगार सृजन हेतु युवा केंद्रित नीतियां –आईटी हब, कृषि सुधार अपनाए जाएं। एमसीसी ग्रांट को पारदर्शी तरीके से उपयोग में लाया जाए। साथ ही राजनीतिक स्थिरता हेतु चुनाव सुधार और राजनीति में युवाओं को शामिल किया जाए। इस समय नेपाल को अंतर्राष्ट्रीय सहायता की नितांत आवश्यकता है।

नेपाल: सुशीला कार्की के समक्ष चुनौतियों का पहाड़



के अपहरण का भी इल्जाम है। हालांकि यह एक आंदोलन का हिस्सा था, इस घटना पर उनको एक पुस्तक की खूब चर्चा रही। बहरहाल सुशीला कार्की के पति का नेपाली कांग्रेस से ताल्लुक होने का कोई छाप इन पर नहीं है और न ही नेपाली जहाज के अपहरण से भी इनका कोई लेना देना रहा। वह तब भी अपनी मर्जी की मुछ्दारा थीं और आज भी। बतौर न्यायाधीश उनके कई फैसले चर्चा में रहे जिसमें नेपाली कांग्रेस के एक मुस्लिम नेता के खिलाफ फैसला राजनीतिक गलियारों में भूचाल जैसा था। उनको जो कार्यशैली और दूरदर्इच्छाशक्ति है निःसंदेह नेपाल को उसका फायदा मिलेगा। यद्यपि कि समय कम है, छह महीने बाद होने वाले चुनावों पर निरदृश्य क्या होगा, इस पर कुछ भी कयासबाजी ठीक नहीं है। आगामी चुनाव को लेकर भारत विरोधी और प्रभुतम सरकार का नेतृत्व फंकेने वाले कौंधी शर्मा आली को सत्ता से उखाड़ फेंकने वाले जेन जी के नौजवानों का रख और भी स्पष्ट नहीं है। वह अलग कोई राजनीतिक दल गठित करेंगे या मौजूदा किसी दल के साथ आएं, यह भी पता नहीं है। भविष्य के नेपाल में साफ-सुथरी सरकार के लिए उन युवाओं का राजनीतिकरण जरूरी है। बेहद कम समय में सुशीला कार्की के समक्ष नेपाल को फिर से सजावे संवारने की चुनौती भी है। आगामी और तोड़फोड़ में नेपाल को अरबों-खरबों का नुकसान हुआ है। नेपाल को फिर से बनाने में इतनी बड़ी रकम जुटाना आसान नहीं है। इसके लिए कोन-कोन देश आगे आता है, यह काफी कुछ नई सरकार के दिशे नीति पर निर्भर करेगा। दूरिस्ट को नेपाल के आर्थिक स्रोत का बड़ा जरिया है, उसे

स्थापित करना भी बड़ी चुनौती है। नेपाल यूँ तो आंदोलनों का देश है। सबसे भयावह आंदोलन लोक कर्तव्य बहाली को लेकर था, जिसे जनयुद्ध के नाम पर सै भी जाना जाता है, उसमें जनहानि खूब हुई लेकिन सरकारी इमारतों को क्षति नहीं पहुँचाई गई थी। बीच बीच में और भी तमाम आंदोलन हुए लेकिन वे इतना भयाक्रांत नहीं रहे। इस बार के आंदोलन की भयावहता देख भारत सहित अन्य देशों के दूरस्थों का रुख नेपाल की ओर होने में वक़्त लगेगा। काठमांडू में भारतीय पत्रकारों को चुन-चुन कर मारा गया यह जानते हुए कि जले धुने नेपाल के पुनर्निर्माण में भारत ही मुख्य सहायक होगा। दरअसल यह सब भारत के प्रति ओली सरकार द्वारा बोए गए जहर का ही असर था। कुछ वर्ष पूर्व आए भूकंप से नेपाल में जितनी तबाही नहीं हुई थी, नेपाली युवाओं ने अपने हाथों से नेपाल को उससे बड़ी त्रासदी दे दी। जितनी किन्मथी थी, उसे हटाने के लिए आंदोलन ठीक था, लेकिन सरकारी संपत्तियों को सुपुर्द-ए-खाक करना नादानी थी। काठमांडू से लेकर नेपाल के तमाम शहरों कस्बों में जलते हुए मकान, सरकारी इमारतों को देख ऐसा लगता है कि इसका पुनर्निर्माण आसान नहीं है। हर जुवान पर चर्चा है कि अब परंप्रतिनाथ ही नेपाल को नया जीवन दे पाएंगे। सुशीला काशी की जित भ्रष्टाचार मुक्त नेपाल बनाने के साथ भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति की भी है। नेपाल में अभी जितने भी राजनीतिक रूल है, उसके सारे बड़े नेताओं के हाथ भ्रष्टाचार से सने हैं, चुनौती है राजनीति से भ्रष्टाचार खत्म करना भी बड़ी चुनौती है। राजधानी काठमांडू जिससे काष्टमंडप भी कहा जाता था, अब स्वाहा हो चुका है। मात्र 48 घंटे की अराजकता में अब स्वाहा हो बर्बाद हो गया। सरकार और विपक्ष भाग खड़े हुए। भ्रष्टाचार को अपनी जान बचाने को इधर-उधर भागना पड़ा। उन्हे घर के पिछवाड़े, नदी नालों के कद कर भागते हुए देखा गया। आंदोलनकारियों के पैरों में जो आए उनकी जमकर कुटाई हुई। युवाओं में सरकार हो या विपक्ष सभी नेताओं के प्रति ऐसा गुस्सा था कि चाहे संसद भवन हो या राष्ट्रासक्ति कार्यालय, सिंह दरबार हो या रेब्यू भवन सभी में आग लगा दी गई। सारे जरूरी दस्तावेज



जल्दकर स्वाहा हो गए। जेलों से भारी संख्या में कैदी फरार हो गए। पूर्व प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री, दर्जनों मंत्रियों के आवास फूंक दिए गए। भारत नेपाल संबंधों को नया आयाम देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री गिरिजा नेपाल का गांधी भी कहा जाता है, स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला की प्रतिमा पर वीरगज में बरस रही हथौड़ा चलाते दृष्टा देखा गया। इधर जेन जी समूह में इस बात को लेकर वैचारिक मतभेद भी था कि अंतरिम सरकार को नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का हो या राज संस्था विचारधारा का? सुशीला कार्की की शिक्षा वागणसी के बीएचयू में भी हुई है और यह भारत के प्रधानमंत्री को फालो करती हैं। जेन जी समूह के 40 प्रतिशत से अधिक कुतरी हैं। जेन जी पहली पदवी थीं। जेन जी का यह सही फैसला था कि उन्होंने एक साहसी न्यायविद महिला को अंतरिम सरकार का मुखिया चुना। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला न्यायाधीश थीं, अब पहली महिला प्रधानमंत्री का खिताब भी उनके खाते में दर्ज हुआ। राजशही के जमाने से ही नेपाल का भारत से उतार-चढ़ाव जैसा संबंध रहा है। लोकतंत्र के बाहरी के बाद ज्यादातर नेपाली सरकारें भारत से मतलब भर का संबंध रखती थी। अभी अभी तत्कालपलट के शिकार हुए ओली की शिनाख्त कट्टर भारत विरोधी की रही है। उन्होंने नेपाल की जनता में भारत के खिलाफ जहर घोलने में कोई कसर नहीं छोड़ा। सत्ता से हटने के बाद भी सेना के कैप्टन कपुर्न से उन्होंने तत्कालपलट के लिए मनागढ़त कर्तवियों के साथ भारत पर आरोप मढ़ा है। भारत नेपाल के बीच असमहमियाँ हैं, इसे लेकर प्रधानमंत्री सुशीला कार्की का क्या रुख होता है, यह भी गौरतलब होगा। सनातनी विचारधारा से लैस पूर्व न्यायाधीश सुशीला कार्की के हाथ नई सरकार की कमान भारत के लिए सुखद संकेत है। इस बात की कामना की जानी चाहिए कि सुशीला कार्की को नेतृत्व में नेपाल में लोकतंत्र मजबूत हो और वह फिर से उठा खड़ा होने में सक्षम हो।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नेपाली युवाओं के आक्रोश का असर



डा. चंद्रप्रकाश शर्मा

युवा शक्ति का पुंज है, भुजदंडों में जाना। मेधा से सम्पन्न व्यक्त, रत्नतनू विधान। युवा उल्ट है वायु का, अंधड़ न बन जाए, इसकी मेधा -शक्ति का सभी करो समाज। ये पंक्तियां 8 सितंबर 25 को नेपाल की सड़कों पर उठने युवाओं के विरोध प्रदर्शन की सीटीका को उद्घाटित करती हैं। हिमालय की गोमे में बसा एक छोटा सा देश नेपाल आज एक अभूतपूर्व राजनीतिक संकट का सामना कर रहा है। जिस जरेजरेश-जी विद्रोह के नाम से जाना जाएगा, क्योंकि इस विद्रोह में जरेजरेश-जी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। और जो नेपाल की आबादी का लगभग 30 प्रतिशत हैं। जेन-जी वह आबादी है जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। 4 सितंबर 2025 को ओली सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाया, जिससे युवाओं ने अस्थायित्व की स्वतंत्रता पर हमला माना जबकि सरकार ने इन प्लेटफॉर्म को फेक न्यूज फैलाने और विदेशी हस्तक्षेप

का दोषी ठहराया। हामी नेपाल संगठन के लीडर व सामाजिक कार्यकर्ता सुदन गुरुंग ने सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ युवाओं को एकजुट कर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सोशल मीडिया प्रतिबंध का मुद्दा नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और अक्षय शासन के खिलाफ लड़ाई है। इससे युवाओं का गुस्सा चूट पड़ा। सोशल मीडिया सरकार पर भार-भांतिजाबाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं और विगत वर्षों में सड़क निर्माण और बिजली परियोजनाओं में अरबों का घोटाला सामने आ चुका है। साथ ही युवा वर्ग पहले से ही शासक वर्ग के परिवारों को ठेके और नौकरियों में प्राथमिकता देने से नाराज था।

इसके साथ ही 2024 में आली सफ़र द्वारा दो बार गठबंधन पर राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी और सत्ता परिवर्तन ने जनता का विश्वास तोड़ा। परंपरा से मंचर बने बालेन शाह ने फंसबुक पर जेन-जी के नेतृत्व में शुरू हुए आंदोलनों को समर्थन किया। बालेन, प्रष्टाचार के खिलाफ आर्यो टॉलरेंस नीति के कारण नेपाल के युवाओं में बहुत अधिक लोकप्रिय हैं। आर्थिक असमानता और बेरोजगारी के कारण नेपाल के युवा प्रस्थ हैं, उनके अर्थव्यवस्था में से प्रस्थ हैं। नेपाल की अर्थव्यवस्था पर्यटन और रेंटिमेंट अर्थात प्रवासी नेपाली मजदूरों से आता था, पर निर्भर है, यह व्यवस्था पट्टी पर नहीं लौटी। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की ओर प्रलापन बढ़ा है, लेकिन युवाओं को नौकरियां नहीं मिल रही हैं,

जबकि नेताओं के परिवार लगातार अमीर हो रहे हैं। बुनियादी ढांचे में निवेश कम है। जरूरतें—जो को लागू करने की विकास का मॉडल टूट चुका है, इस विचार ने विविध प्रदर्शनों में ईंधन का काम किया। इसके साथ ही हिंदू राज और राजशाही समर्थक समाजवादी भी एक कारक बनने की लगा कि हमारी समाजिक और सांस्कृतिक पहचान खोती जा रही है। इन कारणों ने एक ज्वालामुखी का रूप धारण कर प्रदर्शन को हिंसक बनाया जिससे 1990 के दशक की मृत्यु हो चुकी है, रैकेटों द्वारा घायल हैं, संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास और अन्य सरकारी इमारत में आग लग गई। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को त्यागपत्र देना पड़ा। विद्रोह को रोकना समय की मांग है। संसद को मृत्यु यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन संकट से उबरने के लिए हमें सार्थक उपाय करने होंगे ताकि वर्तमान संकट को शांत करके भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। इस हद तक तात्कालिक रूप से सेना को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रहकर अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक को आमंत्रित कर संवाद शुरू करना चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध हटा लिया गया है लेकिन एक न्यूज पर नियंत्रण के लिए पारदर्शी नीति बनाई जानी चाहिए। साथ ही बेरोजगारी को आर्थिक राहत देने हेतु बेरोजगारी भत्ता देने की व्यवस्था हो। पर्यटन को पुनर्जीवित किया जाए तथा विषय बैंक से आपातकालीन फंड मांगे जाएं, ताकि नेपाल की अर्थव्यवस्था और निर्माण को पटरी पर लाया जा सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ओजोन परत के बिना असंभव पृथ्वी पर सुरक्षित जीवन का अस्तित्व

1 6 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रासायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बृहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदाई माने जाते हैं। ओजोन परत को रोकने है, यह किन्तु तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष विश्व ओजोन दिवस मनाया जा रहा है किन्तु निम्ना की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है।

प्रतिपात्र एक विशिष्ट थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस माना जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2025 को थीम विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक है, जिस से संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया है। यह थीम ऑजोन प्रोटोकॉल के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ओजोन परत के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विज्ञान की भूमिका और आवश्यक वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है।

विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह धरातल पर नियंत्रण कक्षा की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ डिग्री ताप को डिग्री सेल्सियस की स्थितिगत को आकलन करने किए जाने के बाद से वृद्धि डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए

विश्व ओजोन दिवस पर विशेष

युनिआपार के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के रूप लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा को कम कर रही हैं। जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को तीव्रता में 35 प्रतिशत की दर से घटाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल अखति परमाणु हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना पड़ेगा। रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि पिछले जू-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो गई हो रही है, जहां अभी भी कोयले की 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक रूप से जीवाश्म ईंधन की कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन की जरूरत पर सन्नद्धि भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी ईंधन है और 2030 तक सी फीसदी इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है। हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सहजता भी की गई थी। विश्व ऊर्जा के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विविधता का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी

हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ की पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी जड़ है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों को जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अंधकूश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा।

हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर छपी चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें के मुताबिक ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड गलना

शुरू हो जाते हैं और सदी की तुलना में गमी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख और भुगत भी रहे हैं। दरअसल ओजोन परत में कमी और मोटे होते जा रहे छिद्र के कारण पृथ्वी तक पहुँचने वाली परावैगनी किरणें हमारे स्वास्थ्य तथा पारिस्थितिक तंत्र पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालती हैं। ओजोन परत की कमी से हमारे स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो रहे हैं। ओजोन परत वातावरण में बनती है जब सूर्य से परावैगनी किरणें ऑक्सीजन परमाणुओं को तोड़ती हैं और ए परमाणु ऑक्सीजन के साथ मिल जाते हैं तो ओजोन अणु बनते हैं। ओजोन परत पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी की ऊँचाई पर वायुमण्डल के समतापी मंडल क्षेत्र में ओजोन गैस का एक झोला सा आवरण है। यह परत पर्यावरण की रक्षक मानी गई है क्योंकि यह वह परत है, जो परावैगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है। हमारे ऊपर के वातावरण में विभिन्न परतें शामिल हैं, जिनमें एक परत स्ट्रैटोस्फियर है, जिस



योगेश कुमार गोयल

ओजोन परत भी कहा जाता है। ओजोन गैस प्राकृतिक रूप से बनती है। निम्नले वातावरण में पृथ्वी के निकटतम ओजोन की उपस्थिति प्रदूषण बढ़ने वाली ओजोन स्थायिक के लिए हाहनाकार लेकिन ऊपरी वायुमंडल में ओजोन परत की उपस्थिति पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यावश्यक है। जब सूर्य की किरणें वायुमंडल में ऊपरी सह पर ऑक्सीजन से टकराती हैं तो उच्च ऊर्जा विकिरण के कारण इसका कुछ हिस्सा ओजोन में परिवर्तित हो जाता है।

ओजोन परत सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों के लिए एक अच्छे फिल्टर के रूप में कार्य करती है। सूर्य विकिरण के साथ आने वाली पराबैंगनी किरणों का लगभग 99 फीसदी भाग ओजोन मंडल द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे पृथ्वी पर रहने वाले प्राण जीव वनस्पति सूर्य के तेज ताप और विकिरण से सुरक्षित हैं और इसी कारण ओजोन परत को सुरक्षा कवच भी कहा जाता है। यही कारण है कि प्रायः कहा जाता है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही सम्भव हो जाएगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

इजरायल के खिलाफ एकजुट हुए 50 मुस्लिम देश

ईरान ने कहा: इस्लामी देश इजरायल से रिश्ता तोड़ें, पाकिस्तान की नाटो जैसी फोर्स बनाने की सलाह

दोहा। कतर की राजधानी दोहा में आज मुस्लिम देशों के 50 नेता इजरायल के खिलाफ एक खास बैठक के लिए इकट्ठा हुए हैं। यह बैठक अरब लीग और आगनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोआप. रेशन (ओआईसी) ने बुलाई है। इसका मकसद 9 सितम्बर को कतर पर हुए इजरायली हमले का जवाब देना है। इस हमले में हमस के 5 मंबर और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी मारा गया था।

यह हमला उन समय हुआ जब हमस की एक टीम गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका के प्रस्ताव पर बात करने दोहा में थी। आज की मीटिंग से पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने मुस्लिम देशों से इजरायल के साथ रिश्ते तोड़ने को कहा है। उन्होंने इस्लामिक देशों से एकजुट होने की अपील की। वहीं पाकिस्तान ने सभी इस्लामी देशों को नाटो जैसे जाइट फोर्स बनाने का सुझाव दिया। इस्लामिक कोआ. परेशन की इमरजेंसी बैठक के लिए 50 से ज्यादा इस्लामी देशों के नेता कतर पहुंचे। रविवार को इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों ने दोहा में इजरायल के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर बंद कमरे में एक बैठक की थी। इस दौरान कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद



इजरायली हवाई हमले में यमन के 26 मीडियाकर्मी मारे गए: हूती

समूह सना। यमन की राजधानी सना में इजरायल के हवाई हमले में मारे गए 46 लोगों में से 26 लोग स्थानीय मीडिया संस्थान के कर्मचारी थे। यमन के हूती समूह ने रविवार को इसकी जानकारी दी। एक बयान में हूती समूह ने कहा कि हमले में मध्य सना में तहरीर चौक पर स्थित दो समाचार पत्रों- 26 सितम्बर और अल-येमन के कार्यालय ध्वस्त हो गए। उन्होंने कहा कि इस हमले से उनका मीडिया संचालन कमजोर नहीं होगा। हूती नियंत्रित स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि हमले में 165 लोग घायल हुए जिनमें महिला और बच्चे शामिल हैं। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने क्षतिग्रस्त आवासीय इमारत और मलबे में खोजबीन कर रहे बचावकर्मियों का फुटज जारी किया। इजरायली सेना ने कहा कि उसने सैन्य शिविरों, हूतियों के जनसंपर्क मुख्यालय और एक इंधन भंडारण स्थल को निशाना बनाया। इजरायली सेना ने साथ ही कहा कि ये कार्रवाई हूती समूह द्वारा किये गए ड्रोन और मिसाइल हमले के जवाब में थी। हूती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने इस हमले का जवाब देने की कसम खाई।

बिन अब्दुलरहमान बिन जासिर अल थानी ने इजरायली हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि कतर अपनी संभूता

मुस्लिम इस बैठक पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने एक जाइट डिफेंस फोर्स बनाने की संभावना का जिक्र किया और कहा कि न्यूक्लियर पावर पाकिस्तान इस्लामिक समुदाय (उम्माह) के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएगा।

इजरायल ने 9 सितम्बर कतर की राजधानी दोहा में हमस चीफ खलील अल-हय्या को निशाना बनाकर हमला किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में अल-हय्या बच गया, जबकि 6 अन्य लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद इजरायली पीएम नेतन्याहू ने भी कहा था कि इजरायल इस हमले की 'पूरी जिम्मेदारी' लेता है। जब यह हमला तब हुआ जब हमस नेता अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव पर आपस में चर्चा कर रहे थे। हमले के बाद कतर ने इजरायल की कड़ी आलोचना की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने इसे हमस के राजनीतिक मुख्यालय पर 'कायाना हमला' करार दिया था और कहा था कि यह सभी अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। दूसरी ओर, इजरायल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच ने इस कार्रवाई की तारीफ की थी। उन्होंने कहा थी कि आतंकवादियों को दुनिया में कहीं भी इजरायल से छूट नहीं मिलेगी।



स्पेन। अललपार्डो से मैड्रिड तक ला तुल्टा साइकिल रेस के इक्कीसवें चरण के दौरान फलस्तीनी झंडे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर नारे लगाते लोग।

दोहा पर इजरायली हमले के बाद कैदियों की अदला-बदली पर बातचीत स्थगित

गाजा। हमस ने कहा है कि कतर की राजधानी दोहा में पिछले सप्ताह वार्ता के लिए गई उसके प्रतिनिधिमंडल पर इजरायली हमले के बाद कैदियों की अदला बदली के लिए इजरायल के साथ बातचीत निलंबित कर दी है। हमस के एक वरिष्ठ अधिकारी ताहिर अल-नोनो ने एक बयान में कहा कि अगर बातचीत के लिए जिम्मेदार प्रतिनिधिमंडल पर देश के अंदर हमला होता है, तो बातचीत जारी नहीं रह सकती। हमस ने कहा कि पिछले मंगलवार को इजराइली हवाई हमलों में दोहा

में उनके नेताओं द्वारा इस्तेमाल किए गए आवासीय परिसरों को तब निशाना बनाया गया, जब वे अमे. रिका समर्थित युद्धविराम प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे थे। समूह ने कहा कि वरिष्ठ हमस अधिकारी खलील अल-हय्या के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल बच गया। लेकिन हमस के पांच सदस्य और कतर का एक सुरक्षा अधिकारी मारे गए। अल-नोनो ने इजरा. इली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर युद्धविराम और कैदियों की अदला-बदली, दोनों के प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया है।

संक्षिप्त समाचार

सम्मेलन में बिम्स्टेक देशों के 80 युवा नेता शामिल हुए

नई दिल्ली। असम के गुवाहाटी में आयोजित तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में बिम्स्टेक देशों के 80 से अधिक युवा नेताओं ने शिरकत की। गत नौ से 11 सितम्बर तक आयोजित बिम्स्टेक युवा नेता शिखर सम्मेलन, बिम्स्टेक को और मजबूत करने के लिए छठे बिम्स्टेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घोषित 21-सूत्रीय कार्य योजना का हिस्सा था। शिखर सम्मेलन में 21 वीं सदी के नेतृत्व पर प्रकाश डाला गया-लचीला, समावेशी और निविधता के प्रति संवेदनशील। उद्यमिता, डिजिटल थिंकिंग और अंतर-सांस्कृतिक सहयोग पर सत्रों ने प्रतिभागियों को स्थाई, सामाजिक रूप से उत्तरोत्तर समाधान तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया।

चीन, थाईलैंड संयुक्त वायु सेना प्रशिक्षण करेंगे

बीजिंग। चीन और थाईलैंड इस महीने के अंत में संयुक्त वायु सेना प्रशिक्षण आयोजित करेंगे। चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने सोमवार को जानकारी दी कि ये प्रशिक्षण थाईलैंड में आयोजित होगा। एमएनडी वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, चीन इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए कई प्रकार के विमान और जमीनी वायु रक्षा बलों को तैनात करेगा।

इस्लामाबाद में डेंगू के 25 नए मामले मिले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पिछले 24 घंटों में डेंगू बुखार के 25 नए मामले सामने आए हैं। जिला स्वास्थ्य कार्यालय (डीएचओ) के अनुसार नए संक्रमणों में से 13 ग्रामीण इलाकों में और 12 शहरी इलाकों में दर्ज किए गए, जिससे इस वर्ष राजधानी में डेंगू से पीड़ित लोगों की कुल संख्या 460 हो गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस समय कम से कम 21 मरीज शहर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।

कांगो इबोला वायरस का टीकाकरण शुरू किया।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि मध्य कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में बुलापे स्वास्थ्य क्षेत्र में इबोला वायरस का टीकाकरण शुरू हो गया है। इस महीने की शुरुआत में कसाई प्रांत में इबोला वायरस का संक्रमण शुरू हुआ था। डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि इस चरण में अग्रिम पॉकेट के स्वास्थ्य कर्मियों और इबोला वायरस संक्रमण के पुष्ट मरीजों का टीकाकरण किया जा रहा है।

जेन-जैड ने सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा

कहा: हमने कुर्सी पर बैठाया, हटाने में वक्त नहीं लगेगा, बिना सलाह के मंत्री चुनने का आरोप

काठमांडू। नेपाल में जेन-जैड-प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा है। वे कैबिनेट विस्तार को लेकर नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार प्रदर्शनकारियों की राय लिए बिना मंत्रियों को चुन रही है।

इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे। गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा, अगर हम फिर सड़क पर उतरे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा। जिस कुर्सी पर बैठाया है, वहीं से निकाल फेंकेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सोनियर वकील ओमप्रकाश आर्यल सरकार में दखलअंदजी कर रहे हैं। गुरुंग का आरोप है कि आर्यल ने खुद को गृहमंत्री बनाने का फैसला किया है। ओमप्रकाश आर्यल काठमांडू के मेयर बालेन शाह के करीबी माने जाते हैं। पीएम कार्की ने ओमप्रकाश आर्यल को गृह और कानून मंत्री, रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री और कुलमान घिसिंग को ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया है। कार्की ने तीन दिन पहले 12 सितम्बर को अंतरिम पीएम की शपथ ली थी। इस दौरान गुरुंग ने माथा टेकते हुए कार्की के पैर छुए थे। 36 साल के गुरुंग ने 8 सितम्बर को काठमांडू में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। वे हामी नेपाल नाम के एनजीओ के संस्थापक हैं।



इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे, गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा, अगर हम फिर सड़क पर उतरे, तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा

भारतीय मूल के नागरिक का सिर काटने पर भड़के ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय मूल के चंद्र नागमलैया की हत्या की निंदा की। उन्होंने इसे भयानक बताया। ट्रम्प ने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा चंद्र नागमल्लैया डलास के रहने वाले थे। उनकी पत्नी और बेटे के सामने, क्यूबा के अवैध अप्रवासी ने बेरहमी से उनका सिर कलम कर दिया। हमारे देश में ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पहले भी बाल यौन शोषण, कार चोरी जैसे अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बाइडन प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि बाइडन प्रशासन ने इस अपराधी को रिहा कर दिया था और क्यूबा ने उसे वापस लेने से भी इन्कार कर दिया था। दरअसल, टेक्सास के डलास में 10 सितम्बर को भारतीय मूल के नागमलैया की हत्या कर दी गई थी। ट्रम्प ने कहा कि अवैध अप्रवासी अपराधियों के

बेलारूस पड़ोसी देशों को बिना मांगी सहायता नहीं देना चाहता: लुकाशेंको

मिन्सक। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने सोमवार को कहा कि बेलारूस अपने पड़ोसियों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। लुकाशेंको ने कहा कि उसके पास अपने पड़ोसियों की बिना मांगे सहायता करने की कोई योजना नहीं है। लुकाशेंको ने रूस की रजबेवचिक समाचार पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि बेलारूस बिना आमंत्रण के अपने पड़ोसियों को सीमाएं पार करने की कोई योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बेलारूस उन सभी के साथ मित्रता और सहयोग करने के लिए तैयार है जो ईमानदारी से ऐसा चाहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि बेलारूस के प्रति पश्चिम की अभिन्न नीति आक्रामक होती जा रही है, लेकिन अभी तक उसे कोई विशेष जोखिम या प्रत्यक्ष सैन्य खतरा नहीं दिख रहा है।

अमेरिका-चीन के बीच टिकटॉक पर बनी सहमति

ट्रम्प ने दिए संकेत, कहा: अच्छी रही व्यापार वार्ता

टिकटॉक चीन से जुड़ी कंपनी है, जिसे अमेरिकी कानून के अनुसार बेचना होगा अन्यथा परिचालन बंद करना होगा

से बात करूंगा। यह रिश्ता बहुत मजबूत बना हुआ है। मैड्रिड में अमेरिका और चीन के अधिकारियों के बीच नई दौर की आर्थिक और व्यापारिक वार्ता चल रही है। अमेरिका की प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी डेप्टी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट और ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव जेमिसन ग्रीयर कर रहे हैं, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप-प्रधानमंत्री है लिफेंग कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच संबंधों में कोई जटिलताएं हैं। व्यापार विवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताएं और तकनीकी उद्योग पर बढ़ते तनाव ने दोनों देशों के रिश्ते

को कठिन बना दिए हैं। इसके बावजूद, मैड्रिड की वार्ता को आने वाले समय में द्विपक्षीय रिश्तों के लिए अहम कदम माना जा रहा है। अमे. रिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टिकटॉक की विक्री की समयसीमा कई बार बढ़ा चुके हैं। पहली बार ट्रम्प ने जनवरी को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद टिकटॉक पर अमेरिका में प्रतिबंध लगा दिया गया था। दूसरी बार अप्रैल में समयसीमा बढ़ाई गई, जब टिकटॉक को अमेरिकी कंपनी में बदलने को कोशिश हो रही थी, लेकिन ट्रम्प



पाक राष्ट्रपति ने चीन में जे-10 फाइटर जेट फैक्ट्री देखी

आसिफ अली जरदारी ने हथियारों की तारीफ की, भारत के खिलाफ संघर्ष में इनका हुआ था इस्तेमाल

बीजिंग। 10 दिन के दौरे पर चीन पहुंचे पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने चेंगदू स्थित चीन के एविएशन इंडस्ट्री काम्प्लेक्स का दौरा किया। पाकिस्तानी अखबार द डान के मुताबिक जरदारी इस जगह का दौरा करने वाले पहले विदेशी राष्ट्राध्यक्ष हैं। इस मौके पर उनके बेटे बिलावल भुट्टो जरदारी और बेटी असीफा भुट्टो-जरदारी भी मौजूद थे।

जरदारी ने कंपनी के इंजीनियरों और वैज्ञानिकों से मुलाकात की और चीन निर्मित विमानों की क्षमताओं की सराहना की। इस दौरान जरदारी ने काम्प्लेक्स में जे-10 और जेएफ-17 थंडर विमानों के बनने की प्रक्रिया को समझा। इसके अलावा उन्होंने प्राचीन पीढ़ी के जे-20 स्टील्थ लड़ाकू विमान के बारे में भी जानकारी ली। जरदारी ने कहा कि जे-10 और जेएफ-17 ने



जरदारी ने कंपनी के इंजीनियरों व वैज्ञानिकों से मुलाकात की

पाकिस्तानी वायु सेना को मजबूत किया है और भारत के खिलाफ ये विमान पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और चीन रक्षा उत्पादन और विमानन में सहयोग का विस्तार

करना जारी रखेंगे। पाकिस्तानी राष्ट्रपति जरदारी ने एविएशन इंडस्ट्री काम्प्लेक्स में विमानों के बनने की प्रक्रिया को समझा। जरदारी ने चीन की हाई-स्पीड ट्रेन का भी अनुभव लिया। वह चेंगदू से मियांथांग तक आधे घंटे की ट्रेन यात्रा पर गए। यात्रा के दौरान उन्होंने चीन की ट्रांसपोर्ट सिस्टम की तारीफ की। उन्होंने पाल्पुशन भी इलेक्ट्रिक ट्रेन इंजन और भूकंप पूर्व चेतावनी तकनीकों को 'रेलवे इंजीनियरिंग का चमत्कार' बताया। चीनी अधिकारियों ने जरदारी को बताया कि चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा हाई-स्पीड रेल नेटवर्क है, जिसकी लंबाई 45,000 किलोमीटर से ज्यादा है। यहां ट्रेनें 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हैं और हर साल दो अरब से ज्यादा यात्रियों को ले जाती हैं। यह नेटवर्क लगभग सभी बड़े चीनी शहरों को जोड़ता है।

कैमरून के बार में विस्फोट में एक की मौत, चार घायल

यांडे। कैमरून के एंगोफोन उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के एक बार में रविवार को हुए आईईडी विस्फोट में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। सुरक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार यह विस्फोट क्षेत्र के बतिबो इलाके में हुआ। बम एक पुलिस स्टेशन के पास एक बार में लगाया गया था। एक क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों के एक समूह ने बार को निशाना बनाया क्योंकि पुलिसकर्मी अक्सर वहां जमा रहते हैं। हालांकि, विस्फोट के दौरान कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं था। सभी पीड़ित नागरिक थे जो दोस्तों और परिवार के साथ समय बिता रहे थे। किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन स्थानीय अधिकारियों ने इस हमले के लिए क्षेत्र में सक्रिय अलगाववादी लड़ाकों को जिम्मेदार ठहराया है। अलगाववादियों ने सोमवार को स्कूलों के फिर से खुलने और अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को बाधित करने के लिए कैमरून के अंग्रेजी भाषी उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम क्षेत्रों में एक महीने का लॉकडाउन शुरू किया।

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन केप्सूल, अप्लीम, चरस, डोटे पोस्ट इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्टी सिनेमा चौक

मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-9412211108